

क्रमांक 1139-ज(I)-83/39974.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1)(ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री डोगरमल, पुत्र श्री ईसरदास, गांव बिन्जलपुर, तहसील वृजिला अम्बाला को खरीफ, 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1385-ज-(I)-83/39978.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्री बदन सिंह, पुत्र श्री रणधीर सिंह, गांव राहका, तहसील व जिला गुड़गांव को रबी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1378-ज-(II)-83/39982.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री जगरूप सिंह, पुत्र श्री हरनाथ, गांव राजगढ़, तहसील बावल, जिला महेन्द्रगढ़ को रबी, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1165-ज-(II)-83/39986.—श्रीमति देवी बाई, विधवा श्री देवराज, निवासी मकान नं० 220, मोहल्ला राजगढ़, वर्तमान मकान नं० 482/12, मोहल्ला कसावा, तहसील व जिला हिसार को 100 रुपये वार्षिक की युद्ध जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 806-आर(4)-66/854, दिनांक 29 मार्च, 1967 द्वारा खरीफ, 1965 से मंजूर की गई थी, खरीफ 1968 से मन्सुख की जाती है।

क्रमांक 1356-ज-(II)-83/39990.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री राम, पुत्र श्री राम नाथ, गांव सिलारपुर, तहसील नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़ को रबी, 1977 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1388-ज-(II)-83/39994.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती सरती देवी, विधवा श्री चेत राम, गांव गुजरवास, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को रबी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1364-ज-(II)-83/39999.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री हरनन्द राम, पुत्र श्री मेहर चन्द, गांव डालावास, तहसील दादरी, जिला भिवानी को खरीफ 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 9 दिसम्बर, 1983

क्रमांक 1419-ज-(II)-83/40820.—श्री भगवान सिंह, पुत्र श्री श्योजीराम, गांव लिलोढ़, तहसील कोसली, जिला रोहतक की दिनांक 4 मार्च, 1978 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री भगवान सिंह को मुब्लिम 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 49-ज-(II)-73/2854, दिनांक 30 जनवरी, 1973 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमति भरतो देवी के नाम खरीफ, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।